ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-९६
दिनांक-शुक्रवार,६ दिसम्बर,२०१९

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २६.३ एवं ११.९ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८८ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ६४ प्रतिशत, हवा की औसत गति ४.३ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.८ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १५.८ एवं दोपहर में २४.३ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(७-११ दिसम्बर,२०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ७-११ दिसम्बर,२०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते हैं। इस अवधि में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान २४ से २६ डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान ११ से १२ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन ५ से ७ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पुरवा हवा चल सकती है। १०-११ दिसम्बर में कहीं-कहीं पछिया हवा चलने का अनुमान है। रात्री एवं सुबह में हल्के कुहासे छा सकते है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- चना की बुआई अतिशीघ्र संपन्न करने का प्रयास करें। बीज को राईजोबीयम कल्चर (पाँच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। अगात बोयी गई चना की फसल में नियमित रुप से कीट-व्याधी की निगरानी करें।
- आलू की फसल में निकौनी करें। निकौनी के बाद नेत्रजन उर्वरक का उपरिवेशन कर आलू में मिट्टी मिट्टी चढ़ाने का कार्य एवं सिंचाई करें। आलू में कीट-व्याधी की निगरानी करें।
- सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सब्जियों की फसल जैसे मटर, टमाटर, बैगन, मिर्च में फल छेदक कीट का प्रकोप दिखने पर स्पिनोसेड ४८ ई०सी०@ १ मि०ली० प्रति ४ ली० पानी या क्वीनलफॉस २५ ई०सी० दवा का १.५ मि०ली० प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।
- पिछात गोभी वर्गीय सब्जियों में गोभी की तितली/छिद्रक कीट/पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू गोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुँचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियो को खाता है। इन कीटों से बचाव हेतु मैलाथियान (५० ई०सी०) का २ मि०ली० या डाइमेथोएट(३० ई०सी०) का १ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से घोल बनाकर पौधों पर समान रुप से छिड़काव करें।
- सिंचित एवं समयकालीन गेहूँ की किस्मों की बुआई अतिशीघ्र संपन्न करने का प्रयास करें। अगात बोयी गई गेहूँ की फसल जो २२-२५ दिनों की हो गई हो, में हल्की सिंचाई करें। सिंचाई के १-२ दिनों बाद प्रति हेक्टेयर ३० किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें।
- १० दिसम्बर के बाद गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई की सलाह दी जाती है। इसके लिए *पी०बी०डब्लू० ३७३, एच०डी० २२८५, एच०डी० २६४३, एच०यू०डब्लू० २३४, डब्लू०आर० ५४४, डी०बी०डब्लू० १४, एन०डब्लू० २०३६, एच०डी० २९६७ तथा एच०डब्लू० २०४५* किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुशसित हैं। प्रति किलोग्राम बीज को २.५ ग्राम बेबीस्टीन की दर से पहले उपचारित करें। पुनः बीज को क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के पूर्व खेत की जुताई में ४० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम फॉसफोरस एवं २० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर डालें। जिन क्षेत्रों में फसलों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देती हो वैसे क्षेत्रों के किसान खेत की अन्तिम जुताई में जिंक सल्फेट २५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर १५० किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए १२५ किलोग्राम बीज का व्यवहार करें।
- गेहूँ की जिन खेतों में दीमक का प्रकोप रहता हो, वैसे किसान दीमक से बचाव के लिए क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ लीटर मात्रा बालू में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में डालें।
- रबी प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करे। खेत की जुताई में १५ से २० टन गोबर की खाद, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम फॉसफोरस, ८० किलोग्राम पोटास तथा ४० किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें। जिन किसान का प्याज का पौध ५०-५५ दिनों का हो गया हो वें छोटी-छोटी क्यारीयाँ बनाकर पाँक्ति से पाँक्ति की दूरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दूरी १० से०मी० पर रोपाई करें। क्यारीयों का आकार, चौड़ाई १.५ से २.० मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार ३-५ मीटर रखे। पिछात प्याज की पौधशाला से प्रत्येक १० से १२ दिनों के अन्तराल में खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- चारे के लिए जई तथा बरसीम की बुआई करें। जई के लिए ८० किलोग्राम बीज तथा बरसीम के लिए २० किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें। अगात बोयी गयी मक्का की फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- पशुओ को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें। बिछावन के लिए सूखी घास या राख का उपयोग करें। दूधारु पशुओं को हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ नियमित रुप से दाने एवं कैल्सियम खिलाये।

आज का अधिकतम तापमानः २७.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.३ डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः ११.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.० डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी